

संत कबीर दास की 647वीं जयंती

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

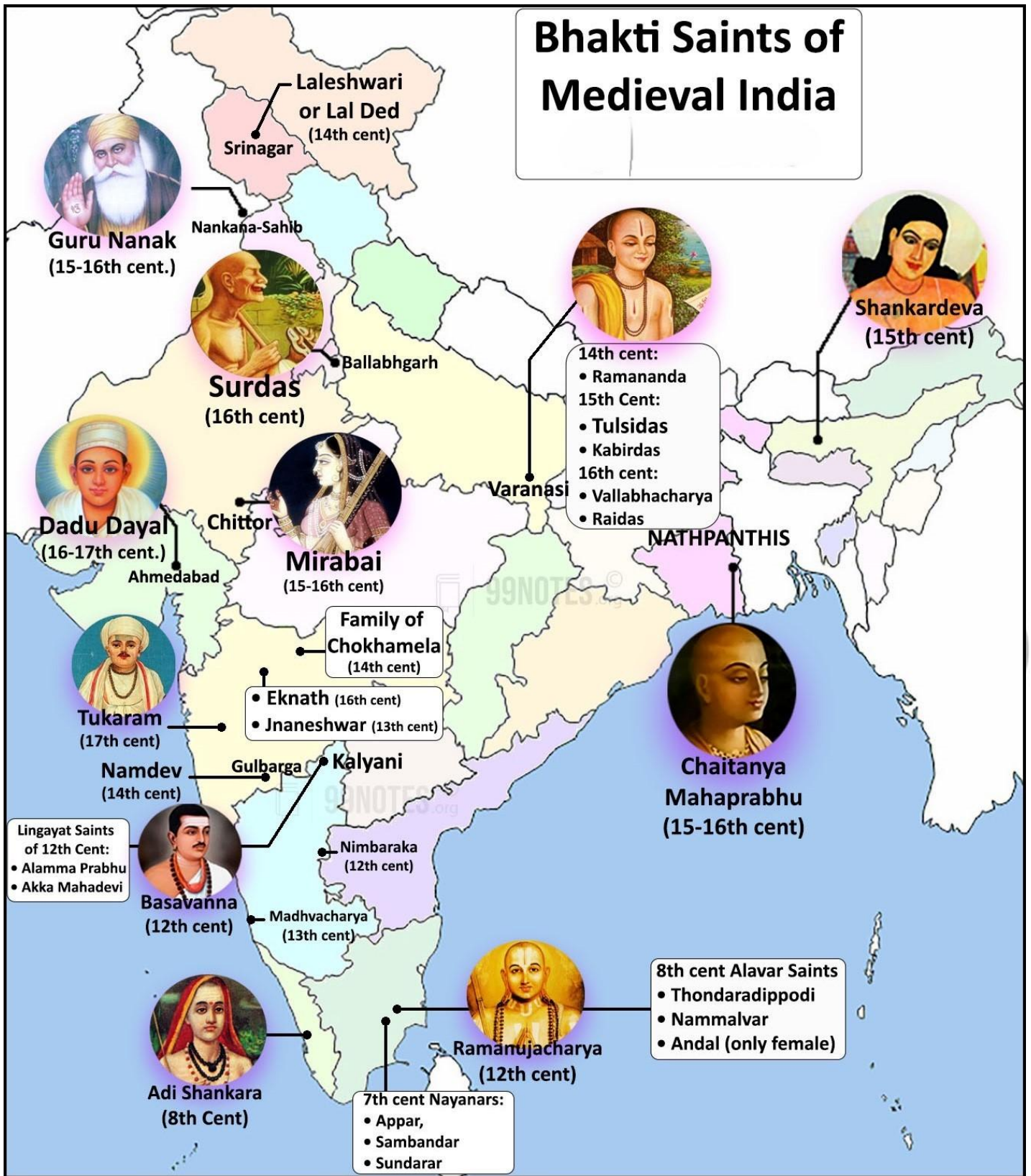
22 जून, 2024 को [प्रधानमंत्री](#) ने [संत कबीर दास](#) की 647वीं जयंती मनाई।

- 15वीं शताब्दी के भारतीय रहस्यवादी कवि और संत संत कबीर दास का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक हट्टी परिवार में हुआ था, लेकिन उनका पालन-पोषण एक मुस्लिम बुनकर दंपत्ति ने किया था।
- वे [भक्ति आंदोलन](#) में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे, जिसमें ईश्वर के प्रति समर्पण और प्रेम पर जोर दिया गया था।
 - भक्ति आंदोलन 7वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में शुरू हुआ और 14वीं और 15वीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत में फैल गया।
 - भक्ति आंदोलन के लोकप्रिय संत कवियों, जैसे रामानंद और कबीर दास ने स्थानीय भाषाओं में भक्ति गीत गाए।
- कबीर ने रामानंद और शेख तक़ी जैसे गुरुओं से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया और अपने अद्वितीय दर्शन को आकार दिया।
- कबीर को हट्टी और मुसलमान दोनों ही पूजते हैं और उनके अनुयायी "कबीर पंथी" के नाम से जाने जाते हैं।
- उनकी लोकप्रिय साहित्यिक कृतियों में कबीर बीजक (कवितारें और छंद), कबीर परचाई, साखी ग्रंथ, आदि ग्रंथ (सखि) और कबीर ग्रंथावली (राजस्थान) शामिल हैं।
- ब्रजभाषा और अवधी बोलियों में लिखी गई उनकी रचनाओं ने भारतीय साहित्य और हट्टी भाषा के विकास को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

//



Bhakti Saints of Medieval India



अधिक पढ़ें: [संत कबीर दास जयंती](#)

